अनुसूची 21—फार्म सं० 113

1085 1070

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

6745 10-5-79

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 19..... आवेदन सं० ..... 19.....

मैसर्स Sri Bahubhawendra Bratap Singh

मैं मेरे नाम आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्धारित संख्यावधारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संख्यावधारों और अवभारों के बारे में मेरी और उसके सम्बद्ध बहीखातों में दि० 01-01-2005 Stop till date तक तलाशी की गयी और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संख्यावधारों और अवभारों का पता चला ..... As per Index II

चला है अर्थात् : संपत्ति अवभार से मुक्त है।

क्र० सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Plot		Plot No – 54 Khata No – 191 Thana No – 36 Mauza No – Mustafapur Area of Land – 7 Katha – 21.875 Decimals Tauzi No – 5276					

Kusika Tradserv Private Limited
Managing Director

2. [illegible] के अनुसार विवरण दर्ज करें।

3. [illegible] पर की गिरवी ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। यदि दोनों उसके घर में उपलब्ध हो।

4. पहले की तारीख से छूट की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ इस संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चलता है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी का प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर):

(पदनाम): UDC

तलासी का परीक्षण और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर):

(पदनाम): U.D.C

कार्यालय: Sub Registrar, Danapur

तारीख 10/5/09

10/5/09

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी:--इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (इन्वेंकरनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

2. निबंधन अधिनियम की धारा ५७ के अधीन जो व्यक्ति (बाहरी) और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों को जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। निर्धारित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास भाषने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अनावश्यक तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को छापांकन के बाद प्रमाण-पत्र में दिखा है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक Sub Registrar Danapur

जाप संख्या 1677 दिनांक 19/5/09

आवेदक श्री Sri RAGHWENDRA PRatap Singh

का ऋणभार प्रमाण-पत्र द्वारा

HIC Housing Finance LTD, Patna

का उनके पत्र संख्या दिनांक के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,

19/5/09

SPL-46/R/8-2.00-100